आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 224 | उज्जैन, शुक्रवार 04 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

प्रदेश में 3800 करोड़ रुपए के निवेश से फ्रोजन आलू उत्पाद इकाई का प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले मैकेन फूड्स के पदाधिकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में उद्योग और रोजगार वर्ष -2025 औद्योगिक विकास की तीव्र संभावनाओं को साकार करने का वर्ष है। राज्य सरकार के प्रयासों से विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर निवेश प्रस्ताव मिल रहे हैं। निवेशकों को औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि सहित नीतियों के अंतर्गत सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में मैकेन फूड्स के रीजनल प्रेसिडेंट श्री पियरे डैनेट एवं प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों से चर्चा

कर रहे थे। मैकेन फूड्स के श्री पियरे डैनेट ने बताया कि मध्यप्रदेश में किसानों को कांट्रेक्ट फार्मिंग के माध्यम से स्थायी बाजार बेहतर मूल्य और उन्नत कृषि तकनीक का लाभ दिलवाने के लिए 3800 करोड़ रुपए निवेश का प्रस्ताव दिया गया है। प्रथम चरण में 1800 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा और इस निवेश के फलस्वरूप 6300 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा।

वैश्विक कंपनी मैकेन फूड्स भारत में मुख्य रूप से फ्रोजन आलू उत्पादों जैसे फ्रेंच फ्राइज, आलू टिक्की और स्नैक आइटम बनाती है। कनाडा में स्थापित यह कंपनी भारत में वर्ष 2007 से खाद्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वर्तमान में गुजरात के मेहसाणा में कंपनी किसानों से आलू खरीद कर अत्याधुनिक उत्पादन इकाई के माध्यम से विभिन्न खाद्य उत्पाद निर्मित कर रही है। चर्चा के दौरान प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह और आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े उपस्थित थे।

बिना देरी दंडित किए जाएं पहलगाम हमले के दोषी, अमेरिका में एस जयशंकर ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया और भारत के संगठन क्वाड ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की है। मंगलवार को वाशिंगटन में क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में पहलगाम पर हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए इसमें मारे गए 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक के स्वजन के प्रति गहरी संवेदना जताई है।

इसमें संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आग्रह किया गया है कि वे इस हमले के दोषियों को तत्काल सजा दिलाने में मदद करें। भारत की मंशा के विपरीत पहलगाम हमले के संदर्भ में संयुक्त बयान में पाकिस्तान या इसकी तरफ से पोषित आतंकी संगठनों का नाम नहीं लिया गया है और न ही भारत-पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले संघर्ष का उल्लेख है। क्वाड ने आतंकवाद की निंदा की

संयुक्त बयान में कहा गया है, क्वाड सीमा पार आतंकवाद समेत हर तरह के आतंकवाद और किसी भी तरह के अतिवाद की कड़ी निंदा करता है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की भी हम बेहद कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। इसमें मारे गए लोगों के स्वजन के प्रति हम गहरी संवेदना जताते हैं और जो लोग घायल हुए हैं उनके जल्द ठीक होने की कामना करते हैं।

स्पाइसजेट विमान की खिड़की का फ्रेम हवा में उखड़ा, एक यात्री ने सोशल मीडिया पर फोटो डालकर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोवा से पुणे के लिए उड़ान भरने वाले स्पाइस जेट के विमान की खिड़की का फ्रेम बीच हवा में ही उखड़ गया। गनीमत रहा कि यात्रियों की सुरक्षा पर इसका असर नहीं पड़ा।

एयरलाइन ने कहा कि मानक रखरखाव प्रक्रियाओं के अनुसार, पुणे हवाई अड्डे पर विमान उतरने के बाद फ्रेम को ठीक कर दिया गया। स्पाइसजेट ने अन्य विवरण साझा नहीं किए।

एयरलाइन ने कहा कि विमान के उतरने के बाद फ्रेम को ठीक कर दिया गया

एयरलाइन ने कहा कि क्यू 400 विमान में एक खिड़की का फ्रेम उड़ान के दौरान ढीला हो गया और उखड़ गया। हालांकि, पूरी उड़ान के दौरान केबिन का दबाव सामान्य रहा और यात्रियों की सुरक्षा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उखड़ा हुआ हिस्सा इंटीरियर विंडो असेंबली था। यह शेड के तौर पर लगाया गया था। इससे किसी तरह से विमान की सुरक्षा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। स्पाइसजेट ने कहा कि क्यू400 विमान में खिड़कियों के कई स्तर लगे हैं, जिनमें एक मजबूत, दबाव सहने वाला बाहरी शीशा भी शामिल है।

एम्स के डॉक्टरों ने कोविड वैक्सीन और हार्ट अटैक के संबंध को लेकर किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2020 और 2021 में कोरोना वायरल अपने चरम स्तर पर था और इस दौरान इस वायरस की चपेट में आने से कई लोगों की मौत भी हुई। इस वायरस ने दुनियाभर में लाखों लोगों को अपनी चपेट में लिया था।

हालांकि, जब कोरोना की वैक्सीन आई तो लोगों ने राहत की सांस ली और कोविड-19 की वैक्सीन लेने के बाद लोगों के स्वास्थ्य में काफी सुधार भी देखा गया। कोविड के बाद हार्ट अटैक से मरने वालों की संख्या में अचानक काफी इजाफा हुआ है।

अचानक लोगों की हो रही मौत - कोई क्रिकेट खेलते समय हार्ट अटैक का शिकार हो गया तो कोई शादी में डांस करते समय हृदय गति रुकने से मौत के मुंह में समा गया। इस दौरान लोगों के बीच ये सुना जाने लगा कि कोविड वैक्सीन की वजह से लोगों में अचानक हार्ट अटैक देखने को मिल रहे हैं। लेकिन अब एम्स दिल्ली के डॉक्टरों ने इस बात को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने रखी है।

एम्स दिल्ली के पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. करण मदान ने कहा कि कोविड के टीके प्रभावी टीके थे और उन्होंने मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा, महामारी के दौरान जीवन बचाने के लिए टीके ही एकमात्र संभव उपाय हैं। टीकों का इस्तेमाल बड़ी संख्या में लोगों पर किया गया और उन्होंने अत्यधिक मृत्यु दर को रोकने में बहुत लाभ पहुंचाया।

नरेन्द्र सरेंडर वाले बयान पर ज्योतिरादित्य सिंधिया का राहुल गांधी पर पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की हालिया नरेन्द्र सरेंडर टिप्पणी के जवाब में केंद्रीय टेलीकाम एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास मामलों के मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस पर देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को कमजोर करने और सेना की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि कांग्रेस को देश के स्वाभिमान की चिंता नहीं है।

एक साक्षात्कार में ज्योतिरादित्य ने कहा, एक राजनीतिक दल के बारे में कहने के लिए और क्या बचा है जिसे देश के लोगों ने पहले ही नकार दिया है? राष्ट्र की गरिमा और सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस स्तर तक गिर गई है कि वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को शर्मिंदा करती है और भारतीय सेना की ताकत पर संदेह करती है। जब सर्जिकल स्ट्राइक या बालाकोट आपरेशन हुआ, तो उन्होंने सुबूत मांगे। जब आपरेशन सिंदूर हुआ, तो उन्होंने सवाल उठाया कि कितने (लड़ाकू) विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए। यह स्पष्ट हो गया है कि भारत के लोगों को उस पार्टी की चिंता नहीं है जिसे भारत के सम्मान की चिंता नहीं है। सीधे तौर पर राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन्होंने पूछा, कौन सा देशभक्त देश से बाहर जाकर उसकी गरिमा को धूमिल करता है? बिहार में होगी भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत

ज्योतिरादित्य ने बिहार में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग गठबंधन की सत्ता में वापसी के प्रति विश्वास जताया।

रिलीज से पहले जानकी फिल्म देखेंगे केरल हाईकोर्ट के जज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने एक दिलचस्प कदम उठाते हुए शनिवार (पांच जुलाई) को केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी अभिनीत फिल्म जानकी बनाम केरल राज्य (जेएसके) देखने का फैसला किया है। उसके बाद ही कोर्ट यह तय करेगा कि सेंसर बोर्ड के आग्रह के अनुसार इसका नाम बदला जाना चाहिए या नहीं। यह आदेश फिल्म निर्माताओं की उस याचिका पर आया है जिसमें उन्होंने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की पुनरीक्षण समिति की मांग को चुनौती दी है कि फिल्म से जानकी नाम को हटाया जाए या बदला जाए, जिसका इस्तेमाल पूरी कहानी में किया गया है।

भारत-घाना के बीच हुए बड़े समझौते, यहां चीन भी कर चुका है निवेश; पीएम मोदी के फैसले से क्यों बेचैन ड्रैगन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफ्रीकी महादेश के सबसे स्थिर देशों में से एक घाना और भारत ना सिर्फ रक्षा संबंधों को प्रगाढ़ बनाने बल्कि द्विपक्षीय कारोबारी संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती से अपनाये इस देश को भारत ने खाद्यान्न उत्पादन और वैक्सीन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने में मदद करने का आश्वासन दिया है। जबकि कई तरह के बहुमूल्य धातुओं के अकूत भंडार वाले इस देश भारतीय कंपनियों के साथ मिल कर उनका खनन व शोधन करने को भी तैयार है।

घाना की राजधानी आकरा में पीएम नरेन्द्र मोदी और घाना के राष्ट्रपति डॉ. जॉन महामा के बीच हुई बैठक में उक्त क्षेत्रों में भावी सहयोग की सहमति बनी। पीएम मोदी बुधवार रात्रि को आकरा पहुंचे जहां एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति महामा ने उनका स्वागत किया। बाद में दोनों नेताओं के बीच दो चरणों में बैठक हुई।

पीएम मोदी को दिया गया सर्वोच्च नागरिक सम्मान- बैठक के बाद पीएम मोदी को घाना का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना दिया गया। भारतीय प्रधानमंत्री का यह सम्मान उनके नेतृत्व, साहसिक सुधारों के लिए जरूरी कदम उठाने, वैश्विक विकास और भारत व घाना के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में योगदान देने के लिए दिया गया।

पीएम मोदी से पहले यह सम्मान ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला, यूएन के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान जैसे लोगों को दिया गया है।

घाना के राष्ट्रपति ने क्या कहा- राष्ट्रपति महामा की अगुवाई में उच्चस्तरीय बैठक में पीएम मोदी ने घाना के जीवंत लोकतंत्र को दूसरे देशों के लिए अनुकरणीय बताते हुए कहा, %घाना के राष्ट्र निर्माण में भारत एक सह-यात्री है। हमने तीन अरब डॉलर के द्विपक्षीय कारोबार को पार करते हुए अगले पांच वर्षों में छह अरब डॉलर के कारोबार का लक्ष्य रखा है। भारत यूपीआई का अनुभव घाना के साथ साझा करने को तैयार है।

राष्ट्रपति महामा ने खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनते हुए अफ्रीका का फूड बास्केट बनने की अपनी महत्वाकांक्षा जताई, जिसमें हरसंभव मदद देने का आश्वासन पीएम मोदी ने सहर्ष दिया। घाना के सशस्त्र बलों को प्रशिक्षण, समुद्री डाकुओं से रक्षा करने में आवश्यक प्रशिक्षण व साइबर सुरक्षा में भी भारत मदद देगा।

ट्रंप का बिग ब्यूटीफुल बिल निचले सदन में पासः किसे होगा फायदा-नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बहुचर्चित बिग ब्यूटीफुल बिल यानी घरेलू नीति विधेयक अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन में गुरुवार को पास हो गया है।

विधेयक को शुरुआती बहस के लिए निचले सदन में रखा गया था, जहां 219 में 213 वोट विधेयक के समर्थन में पड़े हैं। यानी कि ट्रंप का बिग ब्यूटीफुल बिल कानून बनने की ओर एक कदम आगे बढ़ गया है। इस विधेयक पर अभी अमेरिकी सीनेट में फाइनल वोटिंग होना बाकी है। उसके बाद बिल राष्ट्रपति के पास जाएगा।

ट्रंप का बहुचर्चित बिग ब्यूटीफुल बिल एक व्यापक टैक्स और खर्च बिल है। इस बिल में टैक्स में राहत के साथ-साथ मेडिकल सहायता, फूड स्टैम्प्स और हेल्थ बीमा जैसे कार्यक्रमों में कटौती की गई है। इसका असर आम नागरिक से लेकर बुजुर्ग, छात्र व यहां तक कि अरबपतियों तक पड़ेगा। ब्यूटीफुल बिल से किसे फायदा और किसे नुकसान होगा? इस बिल का प्रवासी नागरिकों पर क्या असर पड़ेगा?

सवाल- हेल्थ बीमा पर निर्भर लोगों का क्या होगा?

जवाब- बिग ब्यूटीफुल बिल के कानून बन जाने के बाद हेल्थ बीमा (मेडिकएड) पात्रता की बार-बार जांच और अधिक पेपरवर्क की अनिवार्यता हो जाएगी। इतना ही नहीं, नए प्रावधानों के चलते 2034 तक 1.2 करोड़ लोग बीमा से वंचित हो सकते हैं।

सवाल- प्रवासी नागरिकों पर क?या पड़ेगा असर?

जवाब- बिग ब्यूटीफुल बिल के पास होकर कानून बन जाने पर वर्क परमिट, टीपीएस, शरण लेने में दिक्कत होगी। इसके साथ ही कोर्ट अपील करने की फीस बढ़ जाएगी। नए प्रावधानों के चलते कई अप्रवासी वर्ग सब्सिडी व सभी तरह की सरकारी योजनाओं के लिए अयोग्य हो जाएंगे। इसके अलावा, भारतीय प्रवासी द्वारा भारत में अपने परिवार को भेजी जाने वाली धनराशि पर 5 फीसदी टैक्स लगेगा।

सवाल- ओबामाकेयर धारकों पर क्या पड़ेगा असर?

जवाब- अमेरिका के ग्रामीण क्षेत्रों के अस्पताल फंड कटौती के चलते बंद हो सकते हैं या सेवाएं घटाई जा सकती हैं। ऐसे में बीमा कवरेज पाना कठिन होगा। सब्सिडी के लिए कठोर सत्यापन प्रक्रिया से गुजरना होगा। ऑटो-एनरोलमेंट बंद हो जाएगा। इस प्रावधान से लाखों लोग बीमा से बाहर हो सकते हैं।

सवाल- फूड स्टैम्प्स लेने वालों को क्या झेलना होगा?

जवाब- बिग ब्यूटीफुल बिल के लागू हो जाने पर फूड स्टैम्प्स जैसी योजना में बड़े स्तर पर कटौती होगी। इससे अवैध रूप से रहे भारतीय प्रवासी भी प्रभावित होंगे। वहीं राज्य सरकारों को पहली बार लाभ और संचालन लागत का कुछ हिस्सा देना होगा। छोटे किराना व्यवसायों को फूड स्टैम्प्स कटौती से आर्थिक झटका लगना तय है।

यूक्रेन के हमले में रूस को बड़ा नुकसान, मिसाइल अटैक में मारे गए मेजर जनरल मिखाइल गुडकोव

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी नौसेना के उप प्रमुख मेजर जनरल मिखाइल गुडकोव की मौत हो गई है। यूक्रेन की ओर से किए गए हमले में गुडकोव सहित 10 अन्य सैनिकों की मौत हो गई है। यूक्रेन सेना से जुड़े एक टेलीग्राम चैनल पर मिखाइल गुडकोव के मारे जाने की पुष्टि की गई है। यूक्रेन की सीमा से लगे कुर्स्क क्षेत्र के कोरेनेवो में एक कमांड पोस्ट पर मिखाइल गुडकोव तैनात थे। आशंका जताई जा रही है कि मिसाइल हमले

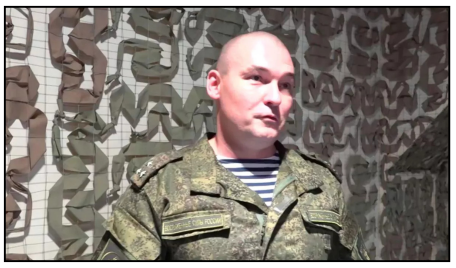

में सभी की मौत हुई है।

पुतिन ने मिखाइल गुडकोव को बनाया था नौसेना का डिप्टी-इन-चीफ- गुडकोव को यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में बहादुरी के लिए पुरस्कार मिले थे और यूक्रेन ने उन पर युद्ध अपराधों का आरोप लगाया था। क्रेमलिन की वेबसाइट पर एक बयान के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें मार्च में नौसेना का डिप्टी कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया था। रूसी रक्षा मंत्रालय या यूक्रेन की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

गुडकोव ने रूस के प्रशांत बेड़े की एक मरीन ब्रिगेड का नेतृत्व किया था, जो कुर्स्क में लड़ रही थी। अगस्त 2024 में यूक्रेनी सेना ने कुर्स्क के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया था। हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि अगर अमेरिका हथियार की आपूर्ति पर रोक लगाता है तो इसका फायदा रूस को ही होगा। जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेन के पास हथियार की कमी होती जा रही है, लेकिन अभी भी यूक्रेन की सेना के पास रूस के लड़ने के लिए कई विकल्प हैं।

भारत को झटका दे सकता है रूस के खिलाफ लाया गया अमेरिकी बिल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में एक बिल पेश किया गया है, जिसमें कहा गया है कि रूस से तेल या गैस खरीदने वाले देशों पर 500त्न तक का शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इस पर भारत की तरफ से पहले ही अमेरिकी नेताओं से बातचीत की जा चुकी है। इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बिल को लेकर बड़ा बयान दिया है।

भारतीय विदेश मंत्री ने अमेरिका के विवादित रूस संबंधी बिल को लेकर साफ कहा है कि अगर यह भारत के हितों को प्रभावित करता है, तो उस स्थिति में निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत इस बिल को लेकर पूरी तरह से सतर्क हे।जयशंकर का बयान

जयशंकर ने कहा, जो भी चीज हमारे हितों को प्रभावित कर सकती है, वो हमारे लिए मायने रखती है। उन्होंने बताया कि भारतीय दूतावास और अमेरिका में भारत के राजदूत लगातार अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं। भारत की ऊर्जा और रणनीतिक जरूरतों को अमेरिकी पक्ष के सामने रखा गया है। जयशंकर ने कहा, हमने अपनी ऊर्जा, सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को उनके साथ साझा किया है। अगर ऐसी कोई स्थिति आती है, तो हम उसका सामना करेंगे।

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर उलझन खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते को अगले 48 घंटों में अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। इस डील को लेकर दोनों देशों के बीच वाशिंगटन में बातचीत का दौर जारी है।

भारत के व्यापार प्रतिनिधि समझौते को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेदों को दूर करने के लिए अभी कुछ और दिन वाशिंगटन में रहेंगे। 9 जुलाई से पहले दोनों देश ट्रेड डील करना चाहते हैं, क्योंकि इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति भारत से अमेरिका आने वाले सामानों पर हाई टैरिफ लगाना शुरू कर देंगे।

किस व्यापार समझौते पर बन सकती है बात- एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से कहा कि अमेरिका भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्रों के लिए अधिक बाजार पहुंच के लिए दबाव डाल रहा है। हालांकि, ग्रामीण आजीविका और खाद्य सुरक्षा चिंताओं के कारण नई दिल्ली के लिए यह क्षेत्र लंबे समय से रेड लाइन बना हुआ है। भारत के लिए इस पर समझौता करना बेहद मुश्किल है।

पाकिस्तानियों को क्करूशहबाज ने दिया महंगाई का झटका, रेलवे ने बढ़ाया किराया; कीमतों में इजाफे की बताई ये वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगाई की मार झेल रहे पाकिस्तान ने एक बार फिर से अपने लोगों को बड़ा झटका दिया है और पाकिस्तान रेलवे ने पैसेंजर, एक्सप्रेस और मेल ट्रेनों के किराए में बढ़ोतरी की घोषणा की है। 15 दिनों के भीतर यह दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है।

डीजल समेत पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान रेलवे ने यह फैसले लिया है। ARY न्यूज के अनुसार, पाकिस्तान रेलवे ने एक अधिसूचना में कहा कि एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों के लिए किराए में 2 प्रतिशत की वृद्धि 4 जुलाई से लागू होगी। अधिसूचना के अनुसार, दो प्रतिशत किराया वृद्धि अग्रिम बुकिंग पर भी लागू होगी।

एक अधिकारी के अनुसार, डीजल की बढ़ती कीमत के कारण पाकिस्तान रेलवे को हर महीने लगभग 109 मिलियन पाकिस्तानी रुपये का घाटा हो रहा है। रेलवे विभाग ने आईटी निदेशक और डीएस को बढ़े हुए किराए का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।

पाकिस्तान सरकार ने की बढ़ोतरी- उल्लेखनीय है कि 18 जून को यात्री रेलगाड़ी के किराए में तीन प्रतिशत की वृद्धि की गई, जबकि मालगाड़ी के किराए में चार प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। पाकिस्तान सरकार ने 15 जुलाई को समाप्त होने वाले पखवाड़े के लिए पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की है, जिससे पेट्रोल की कीमत में 8.36 पाकिस्तानी रुपये लीटर की बढ़ोतरी हुई है। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल की कीमत में 14.80 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है, जिससे पेट्रोल की कीमत 266.89 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर हो गई है।

परमाणु बम पर आर-पार के मूड में ईरान, खतरनाक रास्ता अपना सकते हैं खामेनेई; विशेषज्ञों ने क्यों चेताया?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल ने ईरान पर न्यूक्लियर हथियार बनाने का इल्ज़ाम लगाया और फिर शुरू हुई 12 दिन की जंग। इस जंग में अमेरिका ने भी कूदकर ईरान के तीन अहम न्यूक्लियर ठिकानों फोर्डो, इस्फहान और नतांज पर बंकर बस्टर बमों से हमला कर दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि इन हमलों ने ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को तबाह कर दिया। हालांकि ईरान ने न्यूक्लियर प्लांट को नुकसान की बात को गलत बताया था।

एक्सपर्ट क्यों दे रहे चेतावनी- लेकिन अब विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि ये हमले ईरान को और खतरनाक रास्ते पर धकेल सकते हैं। ईरान अब न्यूक्लियर हथियार बनाने की राह पर गुपचुप तरीके से चल सकता है, क्योंकि ईरान ने संयुक्त राष्ट्र की न्यूक्लियर निगरानी संस्था IAEA के साथ सहयोग खत्म करने का फैसला किया है और गैर-परमाणु प्रसार संधि से भी बाहर निकलने की दिशा में काम कर रहा है। इसके बाद ईरान के परमाणु गतिविधि दुनिया की नजरों से ओझल रहेगी और निगरानी लगभग नामुमकिन हो जाएगी।

न्यूक्लियर हथियारों के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी हमलों ने ईरान को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां वह गुप्त रूप से न्यूक्लियर हथियार बनाने की कोशिश तेज कर सकता है।

परमाणु प्रसार के विशेषज्ञ हावर्ड स्टॉफर ने ABC न्यूज़ को दिए इंटरव्यू में कहा कि आखिरी बार उत्तर कोरिया ने NPT से बाहर निकलकर न्यूक्लियर हथियार बनाए थे।

4 जुलाई को पूरे अमेरिका में मनाया जाता है जश्न, कैसे US पहुंचा स्टैचू ऑफ लिबर्टी; दोनों का आपस में क्या है कनेक्शन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 अगस्त को भारत में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत को अंग्रेजों के कब्जे से आजादी मिली थी और इस बात का जश्न देशभर में अलग-अलग तरह से मनाया जाता है। इसी तरह अमेरिका में 4 जुलाई को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है।

अमेरिका के लिए 4 जुलाई का दिन बेहद खास है। यह दिन 1776 की उस ऐतिहासिक घटना की याद दिलाता है जब अमेरिका ने ब्रिटेन से आजादी का एलान किया था। यह सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि अमेरिकी लोगों की आजादी, लोकतांत्रिक मूल्यों और आत्मनिर्भरता की भावना का उत्सव है।

कॉलोनियों की थी अपनी सरकारें- 4 जुलाई 1776 को 13 ब्रिटिश कॉलोनियों ने खुद को ब्रिटेन से पूरी तरह से आजाद घोषित किया था। 1776 से पहले अमेरिका के पूर्वी तट पर स्थित 13 कॉलोनी ब्रिटेन के अधीन थे। इन कॉलोनियों की अपनी स्थानीय सरकारें थी, लेकिन अंतिम निर्णय ब्रिटिश संसद और राजा ही लेते थे।ब्रिटिश सरकार द्वारा लगाए गए टैक्स, स्थानीय शासन में हस्तक्षेप और ब्रिटिश सैनिकों की मौजूदगी जैसी बातों से कॉलोनियों में नाराजगी बढ़ने लगी और धीरे-धीरे लोगों में यह भावना पनपने लगी कि उन्हें अब अपने लिए खुद फैसले लेने चाहिए।

किसने स्वतंत्रता की घोषणा की- 4 जुलाई 1776 को फिलाडेल्फिया में महाद्वीप कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने स्वतंत्रता की घोषणा को मंजूरी दी।

केरल में अब भी फंसा है ब्रिटिश F-35B फाइटर जेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर अभी भी ब्रिटिश F-35B स्टील्थ फाइटर जेट फंसा हुआ है। यह रॉयल नेवी के बेड़े का हिस्सा है, जो भारत के साथ युद्धाभ्यास के बाद ईंधन की कमी की वजह से वापस नहीं लौट पाया था, लेकिन बाद में इसमें तकनीकी दिक्कत भी आ गई थी।

रॉयल नेवी ने यूनाइटेड किंगडम से इंजीनियरों की विशेष टीम भेजी है, जो अपने एडवांस रिपेयर इक्विपमेंट्स के साथ आए हैं, लेकिन फिर भी अभी तक समस्या का निदान नहीं हो पाया है। अब चर्चा है कि इसे C-17 ग्लोबमास्टर ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट से एयरलिफ्ट करने पर विचार किया जा रहा है।

लॉकहीड मार्टिन ने बनाया एयरक्राफ्ट- F-35B लॉकहीड मार्टिन द्वारा बनाया गया पांचवीं पीढ़ी का शॉर्ट टेक-ऑफ और वर्टिकल लैंडिंग वैरिएंट वाला लड़ाकू विमान है। इसे दुनिया का सबसे आधुनिक विमान कहा जाता है। इसे इंडो-पैसिफिक में तैनात रॉयल नेवी के प्रमुख विमानवाहक पोत HMS प्रिंस ऑफ वेल्स पर रखा गया था।

15 जून को भारत और ब्रिटेन की नेवी के बीच नौसैनिक अभ्यास हुआ था। इसके बाद एयरक्राफ्ट को HMS प्रिंस ऑफ़ वेल्स लौट जाना था, लेकिन ईंधन की कमी के कारण इसे पायलट ने सुरक्षित रूप से तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड करा दिया था। लेकिन ग्राउंड होने के बाद एयरक्राफ्ट में टेक्निकल दिक्कत आ गई।

अफ्रीकी देश माली में अल कायदा ने तीन भारतीयों को किया अगवा, भारत की चेतावनी- तुरंत छोड़ो

नई दिल्ली (एजेंसी)। माली में तीन भारतीय नागरिकों के अगवा किए जाने की खबर है। भारत सरकार ने इस घटना पर गहरी चिंता जताई और माली सरकार से अपहृत भारतीयों की सुरक्षित और जल्द रिहाई के लिए हरसंभव कदम उठाने की मांग की।

आशंका जताई जा रही है कि इस घटना में अल-कायदा का हाथ हो सकता है। हालांकि किसी संगठन ने अब तक इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। यह घटना माली के कायस शहर में डायमंड सीमेंट फैक्ट्री में हुई। इस फैक्ट्री में सशस्त्र हमलावरों ने धावा बोलकर तीन भारतीयों को बंधक बना लिया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह हमला 1 जुलाई को हुआ, जब हथियारबंद आतंकियों ने फैक्ट्री पर सुनियोजित हमला किया। अभी तक किसी संगठन ने अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन मंगलवार को माली में हुए हमलों की जिम्मेदारी अल-कायदा से जुड़े संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमीन ने ली है। भारत सरकार ने फौरन उठाए ये कदम- भारत सरकार ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है।

हिमाचल में मंत्री पर NHAI अधिकारी को पीटने का आरोप, कानून-व्यवस्था पर सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदेश में बरसात से कई कुछ ढहने के क्रम में शिमला के साथ सटे भट्ठाकुफर में भी एक बहुमंजिला घर गिर गया। चूंकि पिछली रात ही उसे खाली करवा लिया गया था तो जनहानि नहीं हुई। इसके नजदीक से राष्ट्रीय राजमार्ग का कार्य चल रहा था तो स्वाभाविक है, खोदाई हुई थी। पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह वहां पहुंचे तो एनएचएआई के अधिकारी को भी बुलाया गया।

मंत्री और अधिकारी के बीच संवाद सार्वजनिक न रहकर पास के एक कमरे में स्थानांतरित हुआ। अंदर जो भी हुआ, उसके बाद राजमार्ग प्राधिकरण के दोनों अधिकारी लहूलुहान अवस्था में भागे। थाने की प्राथमिकी कहती है कि मंत्री ने प्राधिकरण अधिकारी अचल जिंदल की पिटाई की। सूचना यह भी है कि घड़ा सिर पर फोड़ा गया।

गडकरी बोले- सख्त कार्रवाई हो - केंद्रीय भूतल परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से बात की और सख्त कार्रवाई करने को कहा। प्राधिकरण के अध्यक्ष संतोष यादव ने मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना को पत्र लिख राज्य की कानून-व्यवस्था को प्रश्नांकित किया। एक शिकायत राजमार्ग प्रधिकरण पर भी दर्ज करवाई गई कि उक्त भवन प्राधिकरण की लापरवाही से गिरा। अब क्रास एफआईआर होगी और जांच होगी।

दलाई लामा के उत्तराधिकारी पर भारत का चीन को करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने चीन को दलाई लामा के मामले में करारा जवाब दिया है। भारत की ओर से साफ कर दिया गया है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी तय करने का अधिकार सिर्फ दलाई लामा और उनकी परंपरा को ही है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी का चयन सिर्फ स्थापित परंपराओं और खुद दलाई लामा की इच्छा से ही होगा, किसी और का इसमें कोई अधिकार नहीं है।

कौन तय करेगा उत्तराधिकारी- बुधवार को तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने भी कहा था कि उनका संस्थान गदेन फोड्रांग ट्रस्ट ही उनके भविष्य के पुनर्जन्म को मान्यता देने वाला एकमात्र अधिकृत नकाय है। चीन द्वारा उनके उत्तराधिकारी योजना को खारिज करने के बाद यह बयान और भी अहम हो गया है।

किरने रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि, दलाई लामा बौद्धों के लिए सबसे अहम और परिभाषित करने वाली संस्था हैं। उनके अनुयायी मानते हैं कि अवतार सिर्फ स्थापित परंपरा और दलाई लामा की इच्छा के अनुसार ही तय होगा।

चीन को भारत का स्पष्ट जवाब- बता दें, चीन की तरफ से यह दावा किया गया था कि भविष्य में कोई भी दलाई लामा तभी मान्य होगा जब उसे चीन की मंजूरी मिलेगी। भारत सरकार ने इस बयान को साफतौर पर नकारते हुए परंपरा का सम्मान करने की बात दोहराई है।

किरेन रिजिजू ने कहा, कोई और व्यक्ति या देश यह निर्णय नहीं ले सकता है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी कौन होगा। रिजिजू खुद भी बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं और तिब्बती बौद्ध समुदाय में दलाई लामा की भूमिका को बेहद सम्मान से देखते हैं।

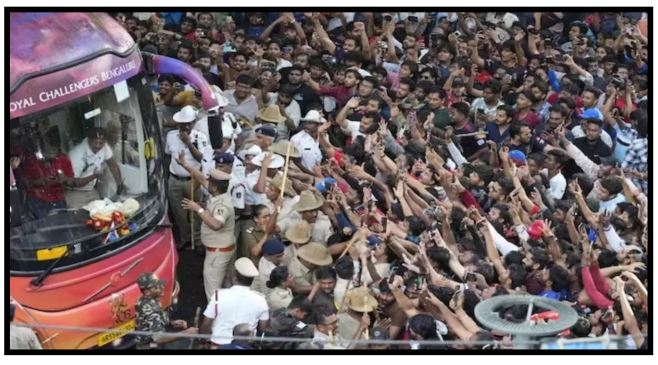

सस्पेंड किया, लेकिन ट्रांसफर क्यों नहीं, बेंगलुरु भगदड़ मामले में हाईकोर्ट ने पुलिस के एक्शन पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर 4 जून को हुई भगदड़ में 11 लोगों की जान चली थी। अब इस मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि इस हादसे के लिए पांच पुलिस वालों को सस्पेंड करना कितना जायज था? कोर्ट ने सवाल उठाया कि क्या इन अफसरों को दूसरी जगह ट्रांसफर करना काफी नहीं होता?

हाईकोर्ट के जस्टिस एस.जी. पंडित और टी.एम. नदाफ की बेंच ने सरकार से इस सस्पेंशन के पीछे का ठोस कारण मांगा। कोर्ट ने कहा कि सरकार को यह साबित करना होगा कि सस्पेंशन का फैसला सही था या नहीं। यह बात तब सामने आई जब कर्नाटक सरकार ने सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (कैट) के 1 जुलाई के उस फैसले को चुनौती दी। इस फैसले में IPS अफसर विकास कुमार विकास की सस्पेंशन रद कर दी गई थी।

सभी अफसरों की सस्पेंशन वापस लेने का था आदेश- ट्रिब्यूनल ने विकास की सस्पेंशन को मैकेनिकल और बिना ठोस सबूतों वाला करार देते हुए उनकी तुरंत बहाली का आदेश दिया था। इतना ही नहीं, ट्रिब्यूनल ने सुझाव दिया कि बाकी चार सस्पेंड किए गए अफसरों को भी राहत दी जाए, जिनमें उस वक्त के पुलिस कमिश्नर बी. दयानंद भी शामिल थे। लेकिन सरकार ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

एडवोकेट जनरल शशिकिरण शेट्टी ने कोर्ट में कहा कि ट्रिब्यूनल ने जल्दबाजी में फैसला लिया और उन चार अफसरों को राहत देने की सलाह दी, जो इस मामले में पक्षकार भी नहीं थे।

इंटरव्यू में शख्स ने सबसे लूटी वाहवाही, फिर कुछ ऐसा हुआ कि कंपनी ने वापस लिया जॉब ऑफर; लाखों में थी सैलरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक भारतीय स्टार्टअप के मालिक ने हाल ही में एक होनहार उम्मीदवार को दी गई 22 लाख रुपये सालाना की नौकरी का ऑफर वापस ले लिया। वजह? उम्मीदवार की लिंक्डइन पर की गई ऐसी टिप्पणियां, जो धार्मिक समुदायों के खिलाफ थीं।

जॉबी के संस्थापक मोहम्मद अहमद भाटी ने कहा कि हुनर से ज्यादा उनके लिए इज्जत और इंसानियत मायने रखती है। इस फैसले ने सोशल मीडिया पर एक नए बहस को जन्म दे दिया है। सोशल मीडिया पर जहां कुछ लोग तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ इसे कैंसिल कल्चर का नाम दे रहे हैं।

मोहम्मद अहमद भाटी ने लिंक्डइन पर बताया कि उनकी कंपनी जॉबी ने एक रेडिट पोस्ट के बाद 12,000 आवेदनों में से 450 इंटरव्यू किए, मगर कोई सिलेक्ट नहीं हुआ। इसी दौरान एक उम्मीदवार ने अपनी काबिलियत से सबको प्रभावित किया। लेकिन, आखिरी बैकग्राउंड चेक में उम्मीदवार की धार्मिक समुदायों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां सामने आई, जिसके बाद ऑफर रद कर दिया गया।

चाहे कितने भी काबिल हो लेकिन इंसानियत सबसे जरूरी- भाटी ने लिंक्डइन पर लिखा, हम इंटरव्यू से इतने प्रभावित हुए कि बजट से ज्यादा का ऑफर देने को तैयार थे। मगर बैकग्राउंड चेक में हमें उम्मीदवार की हालिया टिप्पणियां मिलीं, जो धार्मिक समुदायों के खिलाफ थीं। चाहे कोई कितना भी काबिल हो, हमारे लिए इज्जत और इंसानियत सबसे पहले है।

उन्होंने ऑफर लेटर और रिजेक्शन लेटर के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए है। रिजेक्शन लेटर में लिखा गया, जैसा कि पहले बताया गया था, हमने ऑफर से पहले रूटीन बैकग्राउंड चेक किया। इस दौरान हमें लिंक्डइन पर आपके कुछ हालिया पोस्ट मिले, जिनमें की गई टिप्पणियां कुछ धार्मिक समुदायों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचा सकती हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण नवमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

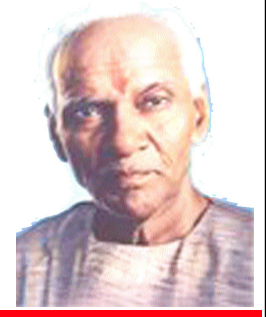

संपादकीय

सभी जानते हैं कि लोकतंत्र के प्रेस को मिलाकर चार स्तंभ होते हैं....

सभी जानते हैं कि लोकतंत्र के प्रेस को मिलाकर चार स्तंभ होते हैं। विधायिका कार्यपालिका न्यायपालिका व मीडिया, जो अपने-अपने स्तरपर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पावरफुल होते हैं, परंतु अक्सर हम देखते हैं कि न्यायपालिका के पावरक्षेत्र में पंचायत समिति सदस्य से लेकर पार्षद व विधायक से लेकर संसद तथा मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री व स्टेट मंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री व पूरी मीडिया के प्लेटफॉर्म्स आते हैं,यांने अगर किसी भी कार्यक्षेत्र में कोई गड़बड़ी कानून का को तोड़ना उलंघन करना, भ्रष्टाचार करना या मानवाधिकार का हनन संविधान का उल्लंघन करते हैं तो न्यायिक क्षेत्र के पावर में आ जाते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, यह मानता हूं कि साफ सुथरे ईमानदार व्यक्ति को डरने घबराने की जरूरत नहीं, परंतु भ्रष्टाचार गलत आचरण से तो न्यायिक दायरे में आना ही पड़ेगा। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्यों के मंगलवार 1 जुलाई 2025 को थाईलैंड की पीएम को वहां के न्यायालय की संविधान पीठ ने7/2 के बहुमत से 1 जुलाई 2025 से पीएम पद के कार्य से निलंबित कर दिया है,जब तक संवैधानिक पीठ अपना फैसला नहीं सुनाती। पूरी दुनियाँ के प्रशासकीय व राजनीतिक क्षेत्र में खलबली मच गई है, क्योंकि यह एक बहुत बड़ी बात है। हालांकि विश्व के अनेक बड़े नेता डोनाल्ड ट्रंप, नेतन्याहू, इंदिरा गांधी सहित अनेको नेताओं को इन न्यायिक शक्तियों का सामना करना पड़ा है जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे।न्यायालय की न्यायिक प्रक्रिया में खास से आम तक सभी व्यक्तियों को एक समान संहिता लागू होकर सजा या बरी होना खूबसूरती है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विश्व में न्यायालय का पावर,पीएम से लेकर एक आम नागरिक तक को कानून का उल्लंघन करने पर न्यायिक शक्तियों का डर एक महत्वपूर्ण कारक हो सकता है।

साथियों बात अगर हम थाईलैंड की पीएम को संविधान पीठ द्वारा 7/2 बहुमत से पद से निलंबित करने की करें तो, संवैधानिक न्यायालय ने पीएम पाइतोंग्तार्न शिनावात्रा को उनके पद से सस्पेंड कर दिया है।उनपर आरोप है कि उन्होंने कंबोडिया के नेता हुन सेन से फोन पर बातचीत की थी। इस बातचीत में उन्होंने थाई सेना के कमांडर की आलोचना की थी। इसे थाईलैंड में गंभीर मामला माना जाता है, क्योंकि सेना का वहां काफी प्रभाव है।इस बातचीत के लीक होने के बाद देशभर में गुस्सा फैल गया था। कोर्ट ने 7-2 के अंतर से पीएम को पद से हटाया कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ शिकायत की जांच की जाएगी। अगर वह दोषी पाई गईं तो उन्हें हमेशा के लिए पद से हटाया जा सकता है।पीएम ने खिलाफ नैतिकता के उल्लंघन का मामला स्वीकार कर लिया है और अब जांच पूरी होने तक वह पीएम के पद पर काम नहीं कर सकेंगी। जब तक इस मामले पर अंतिम फैसला नहीं होता, तब तक डिप्टी पीएम फुमथम वेचायाचाई सरकार चलाएंगे।किसी देश के पीएम को पद पर रहते हुए उसे निलंबित करना अपने आप में बहुत बड़ी बात होती है। साथियों बात अगर हम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोर्ट को शक्तियों की प्रक्रिया का सामना करने की करें तो,अब तक अमेरिकी अदालतों ने ट्रम्प प्रशासन के कम से कम 180 कार्यकारी आदेशों और नीतियों पर स्थाई या अस्थायी तौर पर रोक लगाई है। साथ ही, ट्रम्प ने खुद 11 प्रमुख फैसलों पर यू-टर्न लेते हुए पलटा है।रिपोर्ट के अनुसार कोर्ट ने जन्मसिद्ध नागरिकता खत्म करने, संघीय कर्मचारियों की सामूहिक बर्खास्तगी और विदेशी सहायता रोकने जैसे आदेशों को अवैध या असंवैधानिक ठहराया है।वहीं, ट्रम्प ने फेडरल फंडिंग फ्रीज, अंतरराष्ट्रीय छात्र वीजा और टैरिफ नीतियों जैसे फैसलों को कई बार बदला या वापस लिया है।ट्रम्प के वो आदेश जिन्हें कोर्ट ने बदला ट्रंप ने वॉयस ऑफ अमेरिका को खत्म करने का फैसला लिया था, जिसे कोलोराडो की अदालत ने अवैध ठहराया।

स्वामी विवेकानन्द

स्वामी विवेकानन्द एक युवा संन्यासी के रूप में भारतीय संस्कृति की सुगन्ध विदेशों में बिखेरने वाले साहित्य, दर्शन और इतिहास के प्रकाण्ड विद्वान् थे। विवेकानन्द जी का मूल नाम नरेंद्रनाथ दत्त था, जो कि आगे चलकर स्वामी विवेकानन्द के नाम से विख्यात हुए। युगांतरकारी आध्यात्मिक गुरु, जिन्होंने हिन्दू धर्म को गतिशील तथा व्यावहारिक बनाया और सुदृढ़ सभ्यता के निर्माण के लिए आधुनिक मानव से पश्चिमी विज्ञान व भौतिकवाद को भारत की आध्यात्मिक संस्कृति से जोड़ने का आग्रह किया। कलकत्ता के एक कुलीन परिवार में जन्मे नरेंद्रनाथ चिंतन, भक्ति व तार्किकता, भौतिक एवं बौद्धिक श्रेष्ठता के साथ-साथ संगीत की प्रतिभा का एक विलक्षण संयोग थे। भारत में स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

जीवन परिचय- विश्वनाथदत्त पाश्चात्य सभ्यता में आस्था रखने वाले व्यक्ति थे। विश्वनाथदत्त के घर में उत्पन्न होने वाला उनका पुत्र नरेन्द्रदत्त पाश्चात्य जगत् को भारतीय तत्वज्ञान का सन्देश सुनाने वाला महान् विश्व-गुरु बना। स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी, 1863 में कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता), भारत में हुआ। रोमा रोलाँ ने नरेन्द्रदत्त (भावी विवेकानन्द) के सम्बन्ध में ठीक कहा है- ÷उनका बचपन और युवावस्था के बीच का काल योरोप के पुनरुज्जीवन-युग के किसी कलाकार राजपूत्र के जीवन-प्रभात का स्मरण दिलाता है।÷ बचपन से ही नरेन्द्र में आध्यात्मिक पिपासा थी। सन् 1884 में पिता की मृत्यु के पश्चात् परिवार के भरण-पोषण का भार भी उन्हीं पर पड़ा। स्वामी विवेकानन्द ग़रीब परिवार के थे। नरेन्द्र का विवाह नहीं हुआ था। दुर्बल आर्थिक स्थिति में स्वयं भूखे रहकर अतिथियों के सत्कार की गौरव-गाथा उनके जीवन का उज्ज्वल अध्याय है। नरेन्द्र की प्रतिभा अपूर्व थी। उन्होंने बचपन में ही दर्शनों का अध्ययन कर लिया। ब्रह्मसमाज में भी वे गये, पर वहाँ उनकी जिज्ञासा शान्त न हुई। प्रखर बुद्धि साधना में समाधान न पाकर नास्तिक हो चली।

शिक्षा- 1879 में 16 वर्ष की आयु में उन्होंने कलकत्ता से प्रवेश परीक्षा पास की। अपने शिक्षा काल में वे सर्वाधिक लोकप्रिय और एक जिज्ञासु छात्र थे। किन्तु हरबर्ट स्पेन्सर के नास्तिकवाद का उन पर पूरा प्रभाव था। स्नातक उपाधि प्राप्त करने के बाद वे ब्रह्म समाज में शामिल हुए, जो हिन्दू धर्म में सुधार लाने तथा उसे आधुनिक बनाने का प्रयास कर रहा था।

रामकृष्ण से भेंट- युवावस्था में उन्हें पाश्चात्य दार्शनिकों के निरीश्वर भौतिकवाद तथा ईश्वर के अस्तित्व में दृढ़ भारतीय विश्वास के कारण गहरे द्वंद्व से गुज़रना पड़ा। परमहंस जी जैसे जौहरी ने रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। इसी समय उनकी भेंट अपने गुरु रामकृष्ण से हुई, जिन्होंने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेंद्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानंद के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। कहा जाता है कि उस शक्तिपात के कारण कुछ दिनों तक नरेन्द्र उन्मत्त-से रहे। उन्हें गुरु ने आत्मदर्शन करा दिया था। पचीस वर्ष की अवस्था में नरेन्द्रदत्त ने काषायवस्त्र धारण किये। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेंद्रनाथ ने संन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानंद के रूप में जाने गए। जीवन के आलोक को जगत के अन्धकार में भटकते प्राणियों के समक्ष उन्हें उपस्थित करना था। स्वामी विवेकानंद ने पैदल ही पूरे भारत की यात्रा की।

देश का पुनर्निर्माण- रामकृष्ण की मृत्यु के बाद उन्होंने स्वयं को हिमालय में चिंतनरूपी आनंद सागर में डुबाने की चेष्टा की, लेकिन जल्दी ही वह इसे त्यागकर भारत की कारुणिक निर्धनता से साक्षात्कार करने और देश के पुनर्निर्माण के लिए समूचे भारत में भ्रमण पर निकल पड़े। इस दौरान उन्हें कई दिनों तक भूखे भी रहना पड़ा। इन छह वर्षों के भ्रमण काल में वह राजाओं और दलितों, दोनों के अतिथि रहे। उनकी यह महान् यात्रा कन्याकुमारी में समाप्त हुई, जहाँ ध्यानमग्न विवेकानंद को यह ज्ञान प्राप्त हुआ कि राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की ओर रुझान वाले नए भारतीय वैरागियों और सभी आत्माओं, विशेषकर जनसाधारण की सुप्त दिव्यता के जागरण से ही इस मृतप्राय देश में प्राणों का संचार किया जा सकता है। भारत के पुनर्निर्माण के प्रति उनके लगाव ने ही उन्हें अंततः 1893 में शिकागो धर्म संसद में जाने के लिए प्रेरित किया, जहाँ वह बिना आमंत्रण के गए थे, परिषद में उनके प्रवेश की अनुमति मिलनी ही कठिन हो गयी। उनको समय न मिले, इसका भरपूर प्रयत्न किया गया। भला, पराधीन भारत क्या सन्देश देगा- योरोपीय वर्ग को तो भारत के नाम से ही घृणा थी। एक अमेरिकन प्रोफेसर के उद्योग से किसी प्रकार समय मिला और 11 सितंबर सन् 1893 के उस दिन उनके अलौकिक तत्वज्ञान ने पाश्चात्य जगत को चौंका दिया। अमेरिका ने स्वीकार कर लिया कि वस्तुतः भारत ही जगद्गुरु था और रहेगा। स्वामी विवेकानन्द ने वहाँ भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके ज़बरदस्त प्रभाव छोड़ा। सिस्टर्स ऐंड ब्रदर्स ऑफ़ अमेरिका (अमेरिकी बहनों और भाइयो) के संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरुआत करते ही 7000 प्रतिनिधियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। विवेकानंद ने वहाँ एकत्र लोगों को सभी मानवों की अनिवार्य दिव्यता के प्राचीन वेदांतिक संदेश और सभी धर्मों में निहित एकता से परिचित कराया। सन् 1896 तक वे अमेरिका रहे। उन्हीं का व्यक्तित्व था, जिसने भारत एवं हिन्दू-धर्म के गौरव को प्रथम बार विदेशों में जागृत किया।

धर्म एवं तत्वज्ञान के समान भारतीय स्वतन्त्रता की प्रेरणा का भी उन्होंने नेतृत्व किया। स्वामी विवेकानन्द कहा करते थे- मैं कोई तत्ववेत्ता नहीं हूँ। न तो संत या दार्शनिक ही हूँ। मैं तो ग़रीब हूँ और ग़रीबों का अनन्य भक्त हूँ। मैं तो सच्चा महात्मा उसे ही कहूँगा, जिसका हृदय ग़रीबों के लिये तड़पता हो।

शिष्यों का समूह- पाँच वर्षों से अधिक समय तक उन्होंने अमेरिका के विभिन्न नगरों, लंदन और पेरिस में व्यापक व्याख्यान दिए। उन्होंने जर्मनी, रूस और पूर्वी यूरोप की भी यात्राएं कीं। हर जगह उन्होंने वेदांत के संदेश का प्रचार किया। कुछ अवसरों पर वह चरम अवस्था में पहुँच जाते थे, यहाँ तक कि पश्चिम के भीड़ भरे सभागारों में भी। यहाँ उन्होंने समर्पित शिष्यों का समूह बनाया और उनमें से कुछ को अमेरिका के थाउज़ेंड आइलैंड पार्क में आध्यात्मिक जीवन में प्रशिक्षित किया। उनके कुछ शिष्यों ने उनका भारत तक अनुसरण किया। स्वामी विवेकानन्द ने विश्व भ्रमण के साथ उत्तराखण्ड के अनेक क्षेत्रों में भी भ्रमण किया जिनमें अल्मोड़ा तथा चम्पावत में उनकी विश्राम स्थली को धरोहर के रूप में सुरक्षित किया गया है।

वेदांत धर्म- 1897 में जब विवेकानंद भारत लौटे, तो राष्ट्र ने अभूतपूर्व उत्साह के साथ उनका स्वागत किया और उनके द्वारा दिए गए वेदांत के मानवतावादी, गतिशील तथा प्रायोगिक संदेश ने हज़ारों लोगों को प्रभावित किया। स्वामी विवेकानन्द ने सदियों के आलस्य को त्यागने के लिए भारतीयों को प्रेरित किया और उन्हें विश्व नेता के रूप में नए आत्मविश्वास के साथ उठ खड़े होने तथा दलितों व महिलाओं को शिक्षित करने तथा उनके उत्थान के माध्यम से देश को ऊपर उठाने का संदेश दिया। स्वामी विवेकानन्द ने घोषणा की कि सभी कार्यों और सेवाओं को मानव में पूर्णतः व्याप्त ईश्वर की परम आराधना बनाकर वेदांत धर्म को व्यावहारिक बनाया जाना ज़रूरी है। वह चाहते हैं कि भारत पश्चिमी देशों में भी आध्यात्मिकता का प्रसार करे। स्वामी विवेकानन्द ने घोषणा की कि सिर्फ़ अद्वैत वेदांत के आधार पर ही विज्ञान और धर्म साथ-साथ चल सकते हैं, क्योंकि इसके मूल में अवैयक्तिक ईश्वर की आधारभूत धारणा, सीमा के अंदर निहित अनंत और ब्रह्मांड में उपस्थित सभी वस्तुओं के पारस्परिक मौलिक संबंध की दृष्टि है।

इक्विटी, डेट और हाइब्रिड फंड में होता है ये अंतर, कहां-कहां से होती है कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब आप निवेश की बात करते हैं तो आमतौर पर एक्सपर्ट्स आपको म्यूचुअल फंड की सलाह देते हैं। क्योंकि, निवेश के लिए म्यूचुअल फंड बेहतरीन ऑप्शन है। लेकिन म्यूचुअल फंड में भी निवेश के 3 ऑप्शन हैं। पहला- इक्विटी फंड, दूसरा- डेट और तीसरा हाइब्रिड फंड। ये निवेश के वो ऑप्शन होते हैं, जहां आपको चूस करना होता है कि आप अपना पैसा कहां इन्वेस्ट करना चाहते हैं। लेकिन इससे पहले आपको तीन बातों का ध्यान रखना होता है। पहला- रिटर्न, दूसरा- रिस्क और तीसरा- टाइम।

इन तीन बातों का ध्यान रखना जरूरी!

1. रिटर्न यानी कितना मुनाफा हो सकता है। मुनाफा आमतौर पर ब्व में कैलकुलेट करते हैं। महंगाई दर 6ब है तो रिटर्न कम से कम इससे तो ज्यादा होना चाहिए। अगर महंगाई दर से ज्यादा रिटर्न नहीं मिल रहा तो इन्वेस्ट करने का कोई मतलब नहीं है।

2. रिस्क यानी कितने चांसेज है कि आप इन्वेस्ट किए गए पैसे गवा देंगे और लॉस में चले जाएंगे।

3. टाइम यानी कि कितने समय के लिए आप निवेश कर रहे हैं। इसलिए कहीं भी निवेश करने से पहले इक्विटी फंड, डेट और हाइब्रिड फंड के बीच अंतर समझना जरूरी है। आइए इन्हें आसान भाषा में विस्तार से समझते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड- इस स्कीम में निवेशकों की रकम सीधे कंपनीज के शेयरों में निवेश की जाती है। इसमें रिटर्न शेयर की परफॉर्मेंस पर डिपेंड करती है। कम समय के लिए ये स्कीम जोखिम भरी हो सकती है। लेकिन इसे लंबे समय में इसे बेहतरीन रिटर्न देने वाला माना जाता है। जो निवेशक 10 साल तक इन्वेस्ट करने में कंफर्टेबल हैं, वो इन म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश कर सकते हैं।

डेट म्यूचुअल फंड - डेट म्यूचुअल फंड निवेश के लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। डेट म्यूचुअल फंड में सरकारी और कॉरपोरेट बॉन्ड में निवेश किया जाता है। यानी उधार देकर जो ब्याज मिलता है, उसी से आपका रिटर्न लौटाया जाएगा। मतलब, रिटर्न फिक्स होता है। इक्विटी फंड की तुलना में ये कम रिस्की होते हैं।

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड स्कीम- इस तरह के म्यूचुअल फंड स्कीम में इक्विटी और डेट दोनों में निवेश किया जाता है।

अमेरिका-जापान में राइस पर लड़ाई, इस भारतीय चावल कंपनी को हो सकता है फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के दिग्गज ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने चावल बेचने वाली एक कंपनी के शेयरों पर खरीदी की राय दी है। ब्रोकरेज ने इस स्टॉक को फंडामेंटल पिक के तौर पर चुना है और उसे उम्मीद है कि एलटी फूड्स के शेयरों में तेजी आ सकती है। इसकी खास वजह में अमेरिका और जापान के बीच चावल को लेकर चल रही तनातनी भी हो सकती है।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को लेकर विश्व व्यापार बाधित हुआ है। इस बीच ट्रंप ने एक पोस्ट में दावा किया है कि कई देश अब अमेरिका का चावल खरीदने के लिए तैयार नहीं है। जापान ने भी अमेरिका से चावल आयात करने की मात्रा सीमित कर दी है। इससे वे खुश नहीं हैं। ऐसे में दावत ब्रांड समेत अन्य चावल बेचने वाली कंपनी एलटी फूड्स को फायदा हो सकता है। भारत और जापान दो सबसे बड़े चावल उत्पादक और निर्यातक देश हैं। चूंकि, जापान ने टैरिफ के चलते अमेरिका से चावल का आयात सीमित कर दिया है, ऐसे में भारत से बासमती चावल का निर्यात बढ़ सकता है। इसके चलते एलटी फूड्स के शेयरों में पिछले कुछ ट्रेडिंग सेशन से तेजी देखने को मिल रही है। पिछले 2 हफ्ते में यह शेयर 15 फीसदी तक चढ़ गया है और 498 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहा है।

Indian Bank ने दिया बड़ा तोहफा, बैंक खाते में चाहे हो '0' पैसा, नहीं देना होगा कोई चार्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन बैंक ने अपने ग्राहकों को बड़ा तोहफा दिया है। इससे पहले पंजाब और केनरा बैंक द्वारा ये चार्ज हटाया गया था। इंडियन बैंक के ग्राहकों को अब मिनिमम बैलेंस मेंटेन करने की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर बैंक खाते में शून्य पैसा भी हो, तो भी ग्राहकों से कोई चार्ज नहीं लिया जाएगा।

कब होगा लागू- इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार 7 जुलाई 2025 से अब इंडियन बैंक के ग्राहकों को मिनिमम बैलेंस चार्ज से छुटकारा मिलने वाला है। इसका मतलब है कि इंडियन बैंक ने सेविंग अकाउंट पर मिनिमम बैलेंस रखने की जरूरत को पूरी तरह से खत्म कर दिया है।

अगर आपके अकाउंट में शून्य रुपये भी हो, तो भी आप पर कोई चार्ज नहीं लगेगा।

बैंक ये फायदा छात्र, छोटे व्यापारी, ग्रामीण इलाकों के ग्राहक और सीनियर सिटीजन को देगी। इसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को बैंकिंग सर्विस से जोड़ना है।

हटाने का फैसला किया था। पीएनबी यानी पंजाब नेशनल बैंक ने भी 1 जुलाई 2025 से मिनिमम बैलेंस चार्ज हटा दिया है। इसके अलावा केनरा बैंक ने भी सेविगं अकाउंट में मिनिमम बैलेंस चार्ज हटाने का फैसला किया है।

क्या होता है Minimum Balance Charge- ग्राहकों को अपने सेविंग अकाउंट में एक बैलेंस बनाकर रखना होता है, इसे ही मिनिमम बैलेंस कहते है। अगर कोई व्यक्ति ये चार्ज रखने में असमर्थ होता है, तो उससे चार्ज वसूला जाता है। इसे मिनिमम बैलेंस चार्ज कहा जाता है।

5 साल में 714 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न! अब कार पार्ट्स बनाने वाली ने किया इस जर्मन कंपनी का अधिग्रहण

यूनो मिंडा लिमिटेड को लेकर नया डेवलपमेंट सामने आया है। कंपनी अपनी सहायक कंपनी यूनो मिंडा ईवी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए जर्मनी में नया अधिग्रहण किया है।

दरअसल कंपनी ने जर्मनी स्थित फ्रिवो ग्रुप से ई-ड्राइव बिजनेस एसेट्स, बौद्धिक संपदा अधिकार, ई-ड्राइव बिजनेस टेक्नोलॉजी से संबंधित जानकारी और आरएंडडी टीम का अधिग्रहण पूरा कर लिया है, जिसमें आवश्यक नियंत्रण हार्डवेयर और सर्विस सॉफ्टवेयर शामिल हैं।

इसके अलावा फ्रिवो से वियतनाम में ई-ड्राइव बिजनेस एसेट्स का अधिग्रहण अभी प्रक्रिया में है। इसके 15 जुलाई, 2025 को या उससे पहले पूरा होने की उम्मीद है।

Uno Minda Share Price Today- 0.07% की बढ़त के साथ 1,099.40 रुपये पर बंद हुए। इस दौरान शेयर ने 1,118.80 रुपये का हाई और 1,096.90 रुपये का लो लेवल बनाया है।

5 साल में 714 फीसदी का रिटर्न- no Minda के शेयर ने पिछले 1 हफ्ते में 2.41 फीसदी का रिटर्न दिया है। 1 महीने में इसने 7.60 फीसदी का रिटर्न दिया है। एक साल में इसमें 5.55 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। वहीं लंबी अवधि 5 साल में इसने 714.08% का रिटर्न दिया है।

बाप रे! एक दिन में ही दे दिया साल भर का रिटर्न; इस कंपनी के शेयरों ने भर दी निवेशकों की झोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को खेती किसानी से जुड़े प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी देखी गई। 3 जुलाई को DCM Shriram Limited के शेयर 19.15 फीसदी उछल कर बंद हुए। इस तेजी ने निवेशकों को खुश कर दिया। बहुत सी कंपनियां सालभर में इतना रिटर्न नहीं दे पाती, जितना इस कंपनी के शेयरों ने एक दिन में दे दिया।

3 जुलाई 2025 को डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के शेयर 237 रुपये की बढ़त के साथ 1474.90 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस उछाल ने निवेशकों को मोटा फायदा करा दिया।

एक ही दिन में दे दिया तगड़ा रिटर्न- आज DCM Shriram Limited के शेयर 19.15 फीसदी भागकर 1474.90 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इसके शेयर 1235 रुपये के स्तर पर आज ओपन हुए थे। कंपनी का टोटल मार्केट कैप 22,999.93 करोड़ रुपये है।

आज इसके शेयरों की ट्रेडिंग वॉल्यूम 83.28 लाख रही। इसकी वैल्यू 1,154.49 करोड़ रुपये रही। शेयरों में आई तूफानी तेजी के बाद डीसीएम श्रीराम लिमिटेड का मार्केट कैप 22,999.93 करोड़ रुपये हो गया।

पिछले एक महीने में डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के शेयर 37.58 फीसदी का रिटर्न दे चुके हैं। वहीं, 6 महीने में इसने 29 फीसदी का रिटर्न दिया है। अगर एक साल की बात करें तो एक साल में इसने 45.21 फीसदी का रिटर्न दिया है। और 5 साल में इसने 366.45 फीसदी का रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया है।डीसीएम श्रीराम लिमिटेड कई क्षेत्रों में काम करती है लेकिन ये कंपनी मुख्य रूप से कृषि-ग्रामीण व्यवसाय, क्लोर-विनाइल और वैल्यू ऐडेड बिजनेस में शामिल है।

एक साल में 35% तक रिटर्न, बैंक से लेकर डिफेंस तक इन शेयरों में लगा दें पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के दिग्गज ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल ने 5 चुनिंदा शेयरों पर एक साल के नजरिये से निवेश करने की सलाह दी है। खास बात है कि इस अवधि में निवेशकों 35 फीसदी तक रिटर्न मिल सकता है। इन शेयरों में बैंक, इंश्योरेंस कंपनी और डिफेंस सेक्टर के स्टॉक शामिल हैं। आइये आपको बताते हैं इन शेयरों के नाम, मौजूदा भाव और टारगेट प्राइस क्या हैं।

Prince Pipes शेयर - मोतीलाल ओसवाल ने प्रिंस पाइप्स के शेयरों को खरीदने की राय दी है। इस कंपनी के स्टॉक का मौजूदा भाव 366 रुपये है और ब्रोकरेज फर्म ने इस पर 500 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। ऐसे में करंट प्राइस से प्रिंस पाइप्स के शेयरों में 35 फीसदी का उछाल देखने को मिल सकता है।

Time Technoplast शेयर - टाइम टेक्नोप्लास्ट के शेयरों पर भी ब्रोकरेज फर्म ने 578 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदी की सलाह दी है। इस कंपनी के शेयरों का करंट प्राइस 466 रुपये है, ऐसे में मौजूदा स्तरों से इसमें 27 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल सकती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सतना में असली-नकली किन्नरों की भिड़ंत

सतना। शहर के कृष्णनगर इलाके में गुरुवार को असली और नकली किन्नरों के बीच अजीबोगरीब टकराव देखने को मिला। खुद को किन्नर बताकर घर-घर जाकर वसूली कर रहे एक व्यक्ति को असली किन्नरों ने बीच सड़क पर पकड़ लिया और उसका सिर मुंडवा दिया। यह घटना सुखेजा हाउस के पास दोपहर करीब साढ़े 11 बजे हुई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।स्थानीय लोगों ने असली किन्नरों को बुलाया

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ऑटो में सवार होकर 8 लोग इलाके में पहुंचे थे, जिनमें से 4 ढोलक बजा रहे थे और बाकी घरों में जाकर यह पूछ रहे थे कि क्या कोई उत्सव या मांगलिक कार्य है। उनकी गतिविधियों को देखकर स्थानीय लोगों को संदेह हुआ तो उन्होंने असली किन्नरों को सूचना दे दी। सूचना मिलते ही कुछ असली किन्नर मौके पर पहुंचे।

सात लोग भागने में सफल, एक पकड़ाया

उन्हें देखते ही नकली किन्नरों में भगदड़ मच गई। 7 लोग भागने में सफल हो गए, लेकिन एक व्यक्ति पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति को बीच सड़क पर लाकर पहले उसके कपड़े उतरवाए गए और फिर कैंची व उस्तरे से उसका मुंडन कर दिया गया। यह दृश्य देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए।

सामाजिक सवाल और कानूनी पहलू

इस घटना ने शहर में चर्चा का विषय बना दिया है। जहां एक ओर नकली किन्नरों की पहचान और ठगी के प्रयास को रोकना जरूरी है, वहीं सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस प्रशासन की भूमिका और मामले में कार्रवाई को लेकर अब लोगों की नजरें प्रशासन पर टिक गई हैं।

बस संचालक ने खुद को बंदूक से उड़ाया, सुसाइड नोट में लिखा बीमारी से तंग आ गया हूं

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के बुढ़ार रोड स्थित शास्त्री नगर वार्ड 23 निवासी राजन बहादुर सिंह (राजन दादा) 62 ने अपनी लाइसेंसी 12 बोर की राइफल बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर लिया है। यह घटना गुरुवार को दोपहर बाद की है। पुलिस के अनुसार के मृतक बीमारी के कारण तनाव में थे और उसी वजह से यह कदम उठाया है। घटना के पहले लिखा गया सुसाइड नोट भी मिला है।

सूचना मिलते ही घटना स्थल पर डायल 100 पुलिस पहुंची थी। इसके बाद कोतवाली पुलिस पहुंची और मामले की जांच कर रही है। शास्त्री नगर में राजन बहादुर सिंह घर है और अपने घर के पास ही बाहर झाड़ियों में जाकर घटना को अंजाम दिया है। मृतक किसी जमाने में ध्रुव रेस्तरां और ध्रुव बस के संचालक भी थे।

दोपहर को वे किसी को बिना बताए घर चुपचाप निकल गए थे। काफी देर तक पता नहीं चला तो स्वजनों ने तलाश किया तो घर के पास में ही खाली प्लाट में शव मिला है। उनके गोली गर्दन के ऊपर एक गोली लगी है और बंदूक शव के पास पड़ी मिली है।

घटना के बाद जब छानबीन शुरू की गई तो पुलिस को उनके घर के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने बीमारी से परेशान होने का जिक्र किया है। कोतवाली पुलिस ने सुसाइड नोट जब?त कर लिया है और एफएसएल के डॉक्टरों की टीम के साथ जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि तनाव के कारण आत्महत्या की गई है। आगे कोतवाली टीआई राघवेंद्र तिवारी जांच कर रहे हैं।

बारिश के कहर से टमाटर हुआ लाल , करेला कड़वा , सब्जियों के बढ़े दाम बिगाड़ रहे रसोई का बजट

जबलपुर। मानसून की पहली बारिश ने जहां एक ओर गर्मी से राहत दिलाई है, वहीं दूसरी ओर इसने आम आदमी की जेब पर भारी बोझ डाल दिया है। लगातार हो रही वर्षा के कारण स्थानीय सब्जियों की पैदावार लगभग ठप पड़ गई है या फिर खराब हो चुकी है, जिससे मंडियों में सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों से आने वाली सब्जियों पर निर्भरता बढ़ने के कारण कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।टमाटर, भिंडी और करेला हुए महंगे

बाजार में सब्जियों की कीमतों में सबसे बड़ा उछाल टमाटर में देखने को मिला है। जो टमाटर पिछले हफ्ते तक 30 रुपये प्रति किलो बिक रहा था, अब वह 40 रुपये प्रति किलो के भाव पर बिक रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इसके फुटकर दाम में और तेजी आ सकती है। इसी तरह, भिंडी के दामों में भी जबरदस्त उछाल आया है। दो दिन पहले तक जिसे 20 रुपये किलो में कोई पूछने वाला नहीं था, वही भिंडी अब 30 रुपये से 35 रुपये प्रति किलो बिक रही है। करेला भी 45 रुपये से 50 रुपये प्रति किलो के भाव पर पहुंच गया है, जिससे यह आम आदमी की थाली से दूर होता जा रहा है।लहसुन, अदरक और धनिया के भी दाम बढ़े सब्जियों के साथ-साथ मसालों ने भी उपभोक्ताओं को रुला दिया है। पिछले दो दिनों में लहसुन के दाम में 20 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह अब 110 रुपये प्रति किलो के आसपास बिक रहा है। अदरक 45 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया है और धनिया के दामों में भी तेजी बनी हुई है।

शराब की हर बोतल का हिसाब रखेगा आबकारी विभाग, POS मशीन से होगी बिलिंग

भोपाल। प्रदेश की शराब दुकानों पर बिक्री के लिए आई शराब की हर बोतल का हिसाब अब आबकारी विभाग के पास होगा। समस्त शराब दुकानों पर पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल) मशीन से ही शराब विक्रय की बिलिंग की जाएगी। दुकान स्तर तक शराब के ट्रैक एंड ट्रेस को लागू किया जाएगा। इससे शराब की हर बोतल आबकारी विभाग के सर्वर से जुड़ जाएगी।हर बोतल का हिसाब-किताब इस प्रक्रिया से विभाग के पास सभी दुकानों की रोजाना की यह जानकारी होगी कि किस दुकान से किस ब्रांड और किस बैच की शराब किस कीमत पर बेची गई। यानी अब विभाग के पास हर बोतल का हिसाब-किताब होगा। पीओएस मशीन के जरिए शराब बेचने का मसौदा तैयार किया है। पीओएस मशीन की खरीदी के लिए जल्द ही बिड जारी को जाएगी। इसके बाद सभी 3,553 शराब दुकानों पर पीओएस के जरिए ही शराब बिकेगी।

बगैर पीओएस के ही बेची जा रही शराब

मौजूदा शराब नीति में पीओएस मशीन से शराब बेचने का प्रविधान है, लेकिन तीन माह से बगैर पीओएस के ही शराब बेची जा रही है। भोपाल सहित प्रदेशभर की अधिकांश शराब दुकानों में महंगे दामों में शराब बेचने के प्रकरण सामने आए हैं।

गड़बड़ियों पर रोक लगाने के लिए उठाया कदम

कुछ जिलों में कलेक्टर के निर्देश पर शराब दुकानों पर अर्थदंड की कार्रवाई की गई, लेकिन इसका कोई खास असर नहीं पड़ा। ऐसे में शराब दुकानों से महंगी शराब बेचने या अन्य गड़बड़ियों पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग ने यह कदम उठाया है। इस व्यवस्था के लागू होने से शराब ठेकेदार एमआरपी से ज्यादा या कम में शराब नहीं बेच सकेगा।

बचपन की सहेली पर बरसाया तेजाब, बोली - मर जाए तो अच्छा होगा

जबलपुर। ग्वारीघाट थाना क्षेत्र में सहेली पर एसिड फेंकने वाली वारदात से शहर दहल गया है। पुलिस की जांच जारी है, वहीं एक खुलासा यह भी हुआ है कि करीब 5 साल पहले इशिता का उसके एक मित्र के साथ वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ था। जिस पर उसके घरवालों ने डांटा था। उसे अपमानित किया था। इशिता को आशंका थी कि वीडियो को वायरल करने में श्रद्धा की भूमिका थी। वह तब से मन ही मन श्रद्धा से रंजिश रखने लगी। वह श्रद्धा की सुंदरता से पहले ही जलती थी।सहेली की

नौकरी से हुई जलन कुछ दिन पहले उसे जब यह पता चला कि श्रद्धा की कोलकाता में बड़ी कंपनी में नौकरी लग गई, तो उसकी जलन और बढ़ गई। उसने ठान लिया कि कोलकाता जाने के पहले उसे सबक सिखाएगी। फिर उसने वारदात को अंजाम दिया। आरोपित इशिता अभी पुलिस की गिरफ्त में है। उसे घटना का कोई पछतावा नहीं है। पुलिस से पूछती है कि श्रद्धा जिंदा है? मर जाएगी।

इशिता-अंश दोनों से पूछताछ-श्रद्धा पर एसिड से हमले की आरोपित इशिता साहू अभी पुलिस कस्टडी में है। तेजाब खरीदने उसे सहयोग करने वाले दोस्त अंश शर्मा भी पकड़ा जा चुका है। दोनों को एक ही थाना में अलग-अलग खंड में रखा गया है। अंश ने कॉलेज का प्रोफेसर बनकर सिविक सेंटर स्थित अनुप्रास इंटरप्राइजेज में फोन किया था। एक्सपेरिमेंटल काम के लिए एसिड की जरुरत बताकर उसे इशिता को खरीदने में मदद किया था। वहीं इस मामले में पुलिस ने इशिता और उसके साथी अंश पर हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया था।

पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी

घटना में पुलिस एसिड बेचने वाले अनुप्रास इंटरप्राइजेज के संचालक और आरोपित इशिता के स्वजन की भूमिका की भी जांच कर रही है। ग्वारीघाट पुलिस ने एसिड बेचने वाले दुकान के लाइसेंस एवं बिक्री नियमों की जांच के लिए फूड डिपार्टमेंट को लेटर भेजा है।

फूड डिपार्टमेंट जांच में एसिड बेचने के नियमों में गड़बड़ी पाता है तो फिर दुकान संचालक को भी आरोपित बनाया जाएगा। इशिता के कृत्य का पता चलते ही उसके स्वजन ने घर में रखा करीब 3 मिलीलीटर एसिड टॉयलेट में बहा दिया था। यह साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से न किया गया हो, इसे लेकर भी छानबीन की जा रही है।

पार्श्व कल्प तरु धाम में छाया उल्लास....अमित आराधना भवन में स्नात्र, वास्तु पूजन और घंटाकर्ण महावीर जी हवन की दी आहुतियां

इंदौर। पश्चिम क्षेत्र के हाईलिंक सिटी में श्वेतांबर जैन समाज जनों का जमावड़ा शुरू हो गया है, यहां पार्श्व कल्पतरु धाम में 4 मंजिला भव्य अमित आराधना भवन सवा साल के रिकॉर्ड समय में बन कर तैयार हो चुका है। 5 जुलाई को भव्य लोकार्पण होना है जिसमें हजारों समाजजन सहभागिता कर रहे है, 2 जुलाई बुधवार तकरीबन सुबह 4 घंटे तक स्नात्र पूजन,वास्तु पूजन और घंटाकर्ण महावीर जी हवन के आहुतियां दी गई ओर विधि कारक किया गया।

श्री धरणीधर पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक ट्रस्ट एवं श्री संघ के अध्यक्ष पुंडरीक पालरेचा ने बताया कि परम पूज्य मात्र हृदय अमित गुणा श्री जी महाराज सा की निश्रा में तकरीबन 10 वर्ष पहले पार्श्व कल्पतरु धाम को आकर प्रदान किया था, इस भव्य मंदिर को मकराना मार्बल से निर्मित किया गया था, जहां भगवान पार्श्वनाथ और गुरुदेव सहित देवी देवताओं की प्रतिमाएं अलग-अलग रत्न पत्थरों से निर्मित है। अब यहीं पर भव्य 9000 वर्ग फीट में 4 मंजिला अमित आराधना भवन बनकर तैयार हो गया है। जिसका लोकार्पण 5 जुलाई को किया जाना है, जिसमें जैन समाज के साधु साध्वी भगवन्तों की निश्रा एवं प्रदेश सरकार के मंत्रीगण कैलाश विजयवर्गीय , तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनती , प्रबुद्ध जन बड़ी संख्या में शामिल होंगे। 2 जुलाई बुधवार को सुबह 6बजे ही स्नात्र पूजन, 7 बजे वास्तु पूजन और 8 बजे घंटाकर्ण महावीर जी हवन हुआ,इस नूतन भवन आराधना भवन में विधि कारक अरविंद चौरडिया ने कराई गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से शांति पालरेचा,सुरेश लोढ़ा, पुंडरीक पालरेचा, अर्पित मारू, दीपक सुराणा, दिलीप खिमेसरा, कपिल कोठारी, विशाल बम आदि शामिल हुए। तकरीबन 4 घंटे चले इस विधि कारक में बड़ी संख्या में समाज जन परिवार सहित भी शामिल हुआ, पूज्य साध्वी श्री अमित गुणा श्री जी महाराज साहब आदि ठाणा 10 श्री संघ की निश्रा रही।

मन की शांति के लिए गुरु का सानिध्य आवश्यक- बुधवार सुबह अमित आराधना भवन के स्नात्र पूजन और वास्तु पूजन पश्चात पूज्य श्री अमित गुणा श्री जी महाराज सा ने कहा कि अपना घर तो हर कोई बनाते हैं,मंदिर ओर आराधना भवन बनाने वाले सौभाग्यशाली है, इन्हें बनाना और यहां प्रवेश कराना किस्मत वालों के हिस्से आता है, इस सुंदर रचना में हजारों हजार आराधनाएं ओर भगवान महावीर के बताएं मार्ग पर अपने जीवन को सफल करने वाले साधकों को सुमार्ग मिलेगा। पूज्य अमित गुणा श्री जी महाराज सा ने कहा कि आज उपापोह के दौर में मन की शांति के लिए गुरु का सानिध्य आवश्यक है, गुरु ही सामाजिक झंझावतों से दूर आत्मशांति के मार्ग पर पथ प्रदर्शक करते है।

राजस्व प्रकरणों का रिकॉर्ड निराकरण

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिये प्रदेश में 2 चरणों में राजस्व महाअभियान संचालित किये गये। राजस्व महाअभियान में राजस्व प्रकरणों के निराकरण का क्रम राजस्व महाअभियान-2 के बाद भी जारी है। राजस्व महाअभियान-2 के बाद फरवरी-2025 से अब तक राजस्व विभाग द्वारा नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के 8 लाख 49 हजार 681 प्रकरणों का रिकॉर्ड निराकरण किया गया है। यह निराकरण राजस्व महा-अभियान के बाद जनवरी-2025 के अंत से अब तक किया गया है। राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति, राजस्व न्यायालयों की दक्षता, पारदर्शिता और तीव्रता को दर्शाती है। राजस्व महा-अभियान से प्रकरणों के निराकरण में आयी तेजी लगातार बनी हुई है। नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के 27 जनवरी, 2025 के बाद से अब तक के प्रकरणों के निराकरण की जिलेवार स्थिति में इंदौर में 31 हजार 540, धार में 13 हजार 362, झाबुआ में 6 हजार 730, अलीराजपुर में 2550, खरगौन में 14 हजार 37, बड़वानी में 5 हजार 610, खण्डवा में 13 हजार 413 तथा बुरहानपुर में 6 हजार 340 में प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसी तरह आगर-मालवा में 10 हजार 417, अनूपपुर में 10 हजार 690, अशोकनगर में 10 हजार 130, बालाघाट में 21 हजार 897, बैतूल में 21 हजार 407, भिण्ड में 21 हजार 964, भोपाल में 31 हजार 996, छतरपुर में 28 हजार 325, छिंदवाड़ा में 23 हजार 84, दमोह में 15 हजार 616, दतिया में 14 हजार 501, देवास में 16 हजार 395, डिण्डौरी में 9 हजार 203, गुना में 14 हजार 784 आदी।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की प्री कम मेन्स परीक्षा का दिया जायेगा निःशुल्क प्रशिक्षण

इंदौर। शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा की निःशुल्क कक्षाएँ 15 जुलाई से प्रारंभ की जायेंगी। उक्त प्रशिक्षण हेतु अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए आवेदन आवश्यक दस्तावेज के साथ 14 जुलाई 2025 तक कार्यालयीन समय में जमा किये जा सकेंगे। यह आवेदन शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र ए.बी. रोड़ में जमा किये जा सकते हैं। इसके लिए केवल वे ही अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है, जिन्हें 2025 की प्रारंभिक परीक्षा में अपेक्षित उत्तीर्णांक प्राप्त होने की संभावना है।

केन्द्र की प्राचार्य श्रीमती आशा चौहान ने बताया कि निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थियों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम आयु 35 वर्ष के बीच तथा स्नातक में 55 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। समस्त स्त्रोतों से परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिये। अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण केवल हिन्दी माध्यम में ही होगा। छात्रावास सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। नियमानुसार छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता उपस्थिति के आधार पर देय होगी। अभ्यर्थियों हेतु केन्द्र में सर्व सुविधायुक्त पुस्तकालय है।

जिसमें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की पुस्तकें हैं, जिनका प्रशिक्षणार्थी लाभ ले सकते हैं।

इंदौर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान व्यापक सहभागिता से बना जन आंदोलन

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा पर प्रारंभ जल गंगा संवर्धन अभियान का इंदौर जिले में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह अभियान इंदौर जिले में व्यापक जनभागीदारी से जन-आंदोलन बन गया है। जिले में जल संग्रहण, जल संरक्षण और संवर्धन के हजारों कार्य प्रारंभ हो गये है। अभियान के तहत जहां एक और पूराने कुएं, बावड़ी और तालाबों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर नए तालाब बनाने का कार्य भी हाथ में लिया गया है। उक्त कार्यों में से अनेक कार्य पूर्ण हो गये है। जिले में खेत-खेत में भी तालाब बनाये जा रहे है। वॉटर हार्वेस्टिंग का

कार्य भी बड़े स्तर पर हाथ में लिया गया है।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में इस अभियान का जिले के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान इन्दौर में ख्याति प्राप्त कर चुका है। इंदौर में हुए उल्लेखनीय कार्य के लिए हाल ही में राज्य स्तरीय जल प्रहरी अवार्ड प्राप्त हुआ। यह अवार्ड मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव को प्रदान किया। वर्तमान में इन्दौर जिले में जल गंगा अभियान के अन्तर्गत 645 खेत तालाब, 936 डग वेल रिचार्ज, 63 बावड़ी एवं चेकडेम जीर्णोद्धार, 5000 रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के साथ 12 अमृत सरोवर पर कार्य हो रहा है, जिसमें अधिकांश कार्य शुरू होकर प्रगति पर है। अनेक कार्य पूर्ण भी हो गये है।

कलेक्टर कार्यालय के मध्यस्थता केन्द्र के माध्यम से पारिवारिक संपत्ति विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान, रिश्तों में लौटी नई उमंग

इंदौर। इंदौर शहर के शिवाजी नगर क्षेत्र में रहने वाले दो भाई-बहन श्रीमती साधना मस्के और श्री मिलिंद आगवान के बीच वर्षों से पारिवारिक संपत्ति को लेकर चला आ रहा विवाद अंततः सुलझ गया। इस विवाद का समाधान उच्च न्यायालय के सहयोग से कलेक्टर कार्यालय में स्थापित मध्यस्थता केंद्र के माध्यम से कराया गया। यह समझौता पारिवारिक समरसता, कानूनी जागरूकता और मध्यस्थता व्यवस्था की एक प्रेरणादायक मिसाल बन गया है।

शिवाजी नगर स्थित एक मकान की संपत्ति मिलिंद और साधना के पिता स्वर्गीय तुकाराम आगवान के नाम थी, जो उनके निधन के बाद उनके दोनों भाई-बहन के बीच विवाद का कारण बन गई थी। वर्षों से इस मकान के स्वामित्व को लेकर असहमति बनी हुई थी, जिससे दोनों पक्षों के रिश्तों में खटास आ गई थी।

श्रीमती साधना मस्के द्वारा कलेक्टर श्री आशीष सिंह को जनसुनवाई में अपने विवाद निराकरण संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने यह आवेदन निराकरण के लिए मध्यस्थता केन्द्र को भेजा। केन्द्र द्वारा दोनों पक्षों को वार्ता के लिए आमंत्रित किया। कई दौर की शांतिपूर्ण बातचीत के बाद, दोनों भाई-बहन आपसी सहमति पर पहुँचे। भाई ने संपत्ति का हक त्याग किया। समझौते के अनुसार, उक्त संपत्ति का स्वामित्व साधना मस्के के नाम स्थानांतरित किया गया तथा इसके बदले में उन्होंने अपने भाई श्री मिलिंद आगवान को 7 लाख 50 हजार रुपये की राशि चेक के माध्यम से प्रदान की। समझौते के अनुसार मिलिंद आगवान भविष्य में उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का दावा नहीं करेंगे।

समझौते की वैधता हेतु दोनों पक्षों ने पूर्ण स्वेच्छा और संतोष के साथ दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर किए। समझौता कराने में मध्यस्थता केन्द्र के सदस्य श्री दिलीप गर्ग, हेमराज वाड़िया, श्री पुरूषोत्तम यादव, दीप्ति शेरे आदि का योगदान रहा।

आगामी 11 जुलाई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन होगा

इंदौर। राज्य में होटल इंडस्ट्री, पर्यटन, उद्योग, निवेश, रियल स्टेट, इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगामी 11 जुलाई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में अर्बन ग्रोथ

कॉन्क्लेव का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दी। श्री भोंडवे ने बताया कि अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कॉन्क्लेव में होटल इंडस्ट्री, पर्यटन, उद्योग, रियल स्टेट, इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि से जुड़े देशभर के 1500 से अधिक उद्योगपति, कॉर्पोरेट एवं उनके प्रतिनिधि शामिल होंगे। आयोजन में एक प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी, जिसमें क्रेडाई, होटल इंडस्ट्री, टूरिज्म, इंदौर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, स्मार्ट सिटी, मैट्रो, हुडको, एलआईसी, हाउसिंग बोर्ड आदि संस्थाओं के कार्यों को प्रदर्शित किया जायेगा। आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उद्योगपतियों से चर्चा भी करेंगे।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी, संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास, संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य, कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा, उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय, विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव, विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे, ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर, संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर, संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी, विशेष प्रतिनिधि

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

जलकर के बड़े बकायदारों से राशि जमा करवाए अन्यथा नल कनेक्शन विच्छेद करें - उपायुक्त

उपायुक्त ने की बिल वितरको के साथ बिल वितरण की समीक्षा

उज्जैन। गुरुवार को नगर निगम मुख्यालय में जलकर वसूली कार्य की समीक्षा उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के बिल वितरकों के साथ बैठक आयोजित करते हुए की गई।

बैठक में उपस्थित बिल क्लर्क एवं बिल वितरको को सख्त रूप से निर्देशित किया गया कि सर्कल अनुसार जिन बड़े बकायदारों द्वारा विगत तीन माह से जलकर की राशि जमा नहीं करवाई गई है उनसे बकाया राशि जमा करवाए अन्यथा राशि जमा नहीं करने की स्थिति में नल कनेक्शन विच्छेद करें साथ ही अवैध नल कनेक्शन को वैध करने की कार्यवाही बकाया राशि जमा करवाते हुए की जाए।

बैठक में उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल द्वारा प्रत्येक सर्कल के अनुसार बिल क्लर्क एवं बिल वितरण करने वाले से जानकारी ली गई की कितनी संख्या में बिल वितरण किए जाते हैं एवं कितनों के द्वारा बिल की राशि जमा की जाती है जिसमें संतोष प्रद जवाब नहीं मिलने पर संबंधितों को शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए, इसी के साथ जलकर की राषि मषीन के माध्यम से ही वसूली जाएगी कोई भी रसीद कटे से राषि नहीं जमा करेगा इसमें किसी भी प्रकार से अनियमितता नहीं होना चाहिए।

बिल वितरण करने वाले वार्ड अनुसार नागरिकों के घर घर जाकर बताए कि अपना बकाया जलकर जमा करे और नल कनेक्शन विच्छेद करने जैसी असुविधा से बचें, साथ ही 50 हजार से बड़े बकायदारों की सूची बनाई जाकर उन्हें चिन्हित करे और उनसे बकाया जलकर की राषि वसूल की जाए राषि जमा नहीं करने पर उन्हें नोटिस जारी करते हुए कुर्की की कार्यवाही करें, इसी के साथ पीएचई विभाग की सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त षिकायतों के निराकरण की जोन वार समीक्षा की गई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित

उज्जैन। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जयति सिंह द्वारा 2 जुलाई को जिला पंचायत सभागृह में म.प्र.डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समस्त विकासखण्ड स्तरीय अमलें की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

उक्त बैठक में जयति सिंह द्वारा आजीविका दीदी कैफे के संचालन के निर्देशानुसार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उज्जैन के मार्गदर्शन में आजीविका दीदी कैफे प्रारभ करवाया गया, जिसमें शासकीय योजनाओं मुद्रा योजना एवं उद्यम क्रांति योजना से ऋण उपलब्ध करवाकर स्व सहायता समूह सदस्यां को आजीविका गतिविधियों से जोडे जाने हेतु निर्देशित किया गया। शक्ति दीदी योजना अंतर्गत विभिन्न पेट्रोल पम्प पर जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर स्व सहायता समूह सदस्यों को रोजगार से जोडने हेतु पेट्रोल पम्प एसोशिएन से चर्चा कर प्रशिक्षण उपरांत 22 स्व सहायता समूह सदस्यों को नियोजित कराया गया है। समस्त विकासखण्डों मे क्लस्टर आधारित गतिविधि तैयार कर कम से कम 100 स्व सहायता समूह सदस्यों को रोजगार एवं सतत् आजीविका से जोडनें हेतु निर्देशित किया गया है।

सीईओ जिला पंचायत श्रीमति जयति सिंह महोदया, द्वारा एक जिला एक उत्पाद अंतर्गत बंटिक प्रिन्ट उत्पाद में अधिक से अधिक स्व सहायता समूह सदस्यों को संलग्न कर बंटिक क्लस्टर तैयार किए जानें एवं बंटिक आउटलेट बनाए जाने के लियें मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

घरों में घुस रहा पानी, लोगों का जीना हराम

उज्जैन। वार्ड क्रमांक 4 अतिरिक्त विश्व बैंक हाउसिंग बोर्ड एससी एसटी कालोनी चिंतामण नगर के पीछे के रहवासियों के घरों में पानी घुसने लगा है। बारिश के दिनों में खाना, पीना, रहना सब हराम हो गया है।

रहवासियों ने बताया की यह कालोनी पूर्णतः वेलिड है, घरों के नक्शे, नामांतरण, एनओसी सब कंप्लीट है। रहवासी दो जगह टैक्स भरते हैं, पहला हाउसिंग बोर्ड और दूसरा नगर निगम में। रहवासियों का कहना है की इतने साल से हम टैक्स भर रहे है ना तो हमारी कालोनी में अभी तक नाली बनी, ना ही कचरे की गाड़ी यहां आती है।

39वें महोत्सव पर चल समारोह निकाला, महाआरती की, देश भर से आए समाज के लोगों ने किया सम्मान

उज्जैन। लखेरा समाज सेवा कल्याण समिति की अगुवाई में 39वें वार्षिक कुलदेवी महासती चैना माता कुशला माता रूपजी महाराज का महोत्सव और तुलसी विवाह का आयोजन आयोजित किया गया। दो दिवसीय सामाजिक महोत्सव श्री राधाकृष्ण मंदिर लखेरा समाज धर्मशाला अब्दालपुरा में मनाया गया। लखेरा समाज नवयुवक मंडल के संरक्षक संजय गेहलोत,अध्यक्ष आनंद बागड़िया, उपाध्यक्ष अजय गेहलोत, राजेंद्र कैथूनिया, मुकेश परिहार,विजय बागड़ियां,रोहित लखेरा, पिंटू चौहान,राहुल बागड़ियां ने बताया कि कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रदेशों से आए समाज के लोगों के साथ अभा लखेरा महासभा नई दिल्ली की कार्यकारिणी, अखिल राजस्थान हिंदू लखेरा महासभा के पदाधिकारी, अखिल मध्यप्रदेश लखेरा महासभा के पदाधिकारी और विभिन्न शहरों के अध्यक्ष आए थे। 01 जुलाई की रात को माता की भजन संध्या रखी गई।

02 जुलाई की सुबह कार्यक्रम में आए समस्त अतिथियों का माला, साफा और महाकाल की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया। इसके बाद कुलदेवी महासती चैना माता, कुशला माता रूपजी महाराज की विभिन्न सेवाओं के साथ तुलसी विवाह के लिए बोलियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लखेरा समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के अध्यक्ष जयेश जी लखेरा, म.प्र. अध्यक्ष मोतीलाल जी लखेरा एवं राजस्थान अध्यक्ष गोवर्धन जी लखेरा

उज्जैन की बेटी प्रियांशी प्रजापति ने जीता एशिया में अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक

उज्जैन। उज्जैन की बालिका प्रियांशी मुकेश प्रजापति ने एशिया में अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में स्वर्ण पदक जीतकर मध्य प्रदेश में उज्जैन का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि की जानकारी मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बड़े भाई और मध्य प्रदेश कुश्ती महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण यादव दादा को मिली, तो उन्होंने प्रियांशी मुकेश प्रजापति को बधाई दी।

इसके बाद मध्य प्रदेश कुश्ती संघ और उज्जैन जिला कुश्ती संघ द्वारा तिलकेश्वर गौशाला में एक सार्वजनिक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सर्व धर्म के लोगों ने भाग लिया और प्रियांशी मुकेश प्रजापति का भव्य स्वागत अभिनंदन किया।

तिलकेश्वर महादेव जी का जलाभिषेक

प्रियांशी मुकेश प्रजापति ने तिलकेश्वर महादेव जी का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की और गायों को चारा खिलाया। इसके बाद मध्य प्रदेश कुश्ती महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आदरणीय नारायण यादव दादा और उनके समर्थकों ने उनका स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दादा दयालु नारायण जी यादव, अशोक जैन, मुन्ना सरकार, वरिष्ठ समाज सेवक राजाराम यादव जी जमुना यादव, नीलेश यादव, हेमंत पांचाल, अशोक कोठारी, पत्रकार जगदीश परमार, उदित बड़जात्या, प्रदीप जैन, प्रदीप पीपाड़ा, सुरेंद्र यादव, दीपक यादव, गजेंद्र सकलेचा, सावन बजाज, उमेश सिंह ठाकुर, शेखर जी यादव, जितेंद्र अग्रवाल, कैलाश यादव, प्रमित मोदी, संजय जायसवाल, दीपक जायसवाल राहुल लुहाड़िया सहित सर्व समाज के वरिष्ठ समाजजन उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश कुश्ती संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण यादव ने प्रियांशी प्रजापत के खेल अभिनंदन अवसर पर कहा कि कुश्ती में दो पेज वजीर होते हैं और ताकत बादशाह होती है। उज्जैन की बिटिया प्रियांशी प्रजापत ने जिस प्रकार से कुश्ती कला में एशियाई खेलों में जो देश के खिलाड़ियों को पराजित करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया है, वह हम सबके लिए गौरव की उपलब्धि है। अध्यक्षता उज्जैन जिला कुश्ती संगठन के अध्यक्ष शिव उमेश पहलवान ने की और संचालन बॉडीबिल्डिंग संगठन के राष्ट्रीय निर्णायक शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके ने किया।

चार्टर्ड अकाउंटेंट का देश के आर्थिक प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान है-अग्रवाल

उज्जैन। चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस के उपलक्ष्य में सीए अभिनंदन समारोह श्री अग्रवाल जेसिस की अगुवाई में किया गया।

कार्यक्रम के सूत्रधार जैसीस संयोजक विजय अग्रवाल ने अभिनंदन करते हुए कहा कि देश के आर्थिक प्रबंधन में सीए लोगों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है और उसको भुलाया नहीं जा सकता हैं। उनका अभिनंदन करते हुए उन्हें सम्मानित करते हुए हम स्वयं भी सम्मानित हो रहे हैं और यह गौरव का क्षण है इतनी बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट हमारे पास है। अभिनंदन के अवसर पर अभिनंदन पत्र श्रीफल दे कर उनके यशस्वी भाल पर मंगल तिलक करके उनका भावनात्मक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ सीए संजीव गोयल, सीए संजय अग्रवाल, सीए नीलेश अग्रवाल, सीए अंकुर गर्ग, सीए बरखा गुप्ता, सीए गौरव बंसल, सीए अमित अग्रवाल, सीए रुचिन अग्रवाल, सीए अनीश चौधरी का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जगदीशचंद्र गोयल, प्रकाश हरभजनका, भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश अग्रवाल, जयकिशन अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, अजय गर्ग, राजेंद्र अग्रवाल, नरेंद्र गुप्ता, तरुण अग्रवाल, सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे। अंत में आभार संस्था सचिव मोहित अग्रवाल ने माना।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com